

ओ श्याम जी पड़ा रहने दे

ओ श्याम जी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
जहाँ जाऊँ भरमाऊँ,
कहीं चैन ना पाऊँ,
कुछ दिल की भी कहने दे,
पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में पड़ा रहने दे

ये दुनिया है एक पहेली,
पल में बैरन पल में सहेली,
मैं तो चाहूँ सुलझाऊँ,
खुद उलझ ही जाऊँ,
उलझन से परे रहने दे, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में पड़ा रहने दे।

दुनियाँ के आगे रोया ही रोया,
कुछ नहीं पाया खोया ही खोया,
मेरे आँसू की कदर तब होगी अगर,
इन चरणों में बहने दे, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में पड़ा रहने दे।

द्वार तेरा उलझन की कुँजी,
नाम तेरा बस साँची पूंजी,
चाहे जितने हो गम,
डाए दुनिया सितम,
मुझे हँस हँस कर सहने दे,
पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में पड़ा रहने दे।

ओ श्याम जी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
जहाँ जाऊँ भरमाऊँ,
कहीं चैन ना पाऊँ,
कुछ दिल की भी कहने दे,

पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में, पड़ा रहने दे,
ओ श्यामजी पड़ा रहने दे,
अपनी शरण में पड़ा रहने दे।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18730/title/o-shyam-ji-pda-rehne-de>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |